

प्रथक,

यू०सी०एन०

सर्विव, न्याय एवं विधि परामर्शी,  
उत्तरांचल शासन, देहरादून ।

सेवा में,

सदस्य सर्विव,

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण,

देहरादून ।

न्याय अनुभाग : 1

विषय: जिला देहरादून व ऊधमसिंहनगर में स्थापित एक-एक स्थायी लोक अदालत हेतु सुचित अस्थायी पदों की निरन्तरता बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपयुक्त विषय के संदर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जिला देहरादून व ऊधमसिंहनगर में स्थापित एक-एक स्थायी लोक अदालत हेतु शासनादेश संख्या 24-एक(5)/छत्तीस(1)/2005-23-एक(5)/05, दिनांक 8.11.2005 द्वारा सुचित कुल 10 अस्थायी पदों की निरन्तरता वर्तमान शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन यदि वे बिना किसी पूर्व सूचना के पहले ही समाप्त न कर दिये जाएं दिनांक 1.3.2006 से 28.2.2007 तक बढ़ाये जाने की महामहिम राज्यपाल महर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

2. उक्त के सम्बन्ध में होने वाली व्यय वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजन-800-अन्य व्यय-10-स्थायी लोक अदालत-00" के सुसंगत प्राथमिक ईकाइयों के नाम डाला जायेगा ।

भवदीय,

( यू०सी०एन० )

सर्विव ।

संख्या: 5-एक(5)/XXXXVI(1)/2006-23-एक(5)/05-तद्विनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तरांचल, माजरा, देहरादून ।
2. महानिबन्धक, मा० उत्तरांचल उच्च न्यायालय, नैनीताल ।
3. जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून/ऊधमसिंहनगर ।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/ऊधमसिंहनगर ।
5. जिले अनुभाग-5/नियुक्त अनुभाग/एन.आई.सी./गार्ड फाईल ।

आशा है,

( वीरेंद्र शर्मा )  
अनुसर्विव ।